B.A - Part -1 (H)

Fundamental Psychology

प्रश्न लघुकालीन स्मृति का अर्थ एवं विशेषताओं को बतलाएँ।

8. लघुकालीन स्मृति वैसी स्मृति को कहा जाता है जिसमें व्यक्ति की अनुभूति को अधिकतम 20 से 30 सेकेण्ड के लिए संचित करके रख पाता है तथा वह इन अनुभूतियों को मात्र एक बार प्रयास में सीख लेता है। शायद यही कारण है कि वह ऐसी अनुभूतियाँ कमजोर होती हैं। जब व्यक्ति इन अनुभूतियों को पर ध्यान देता है या उनका मानसिक रिहर्सल करता है तब उनका विस्मरण नहीं हो पाता है परंतु। इन तत्वों के अभाव में लघुकालिन स्मृति से स्मृतिचिन्ह का तुरंत लोप हो जाता है फलस्वरूप विस्मरण होता है। लघुकालिन स्मृति को एक उदाहरण द्वारा इस प्रकार समझ सकते हैं - मान लिया जाय जब कोई व्यक्ति किसी अपरिचित व्यक्ति से किसी कारणवश दूरभाष पर बातचीत करने के लिए उसकी दूरभाष संख्या दूरभाष निर्देशिका से प्राप्त करता है। व्यस्त सिगनल मिलने से वह 15 सेकेण्ड के लिए रूककर पुनः उसे डायल करने की कोशिश करता है।

लघुकालिन स्मृति की विशेषताएँ

(1) लघुकालिन स्मृति कमजोर होता है यदि इसके तथ्यों पर व्यक्ति किसी कारणवश ध्यान नहीं दे पाता है जा

Scanned by TapScanner

है उसकी स्मृति चिन्ह तुरंत ही समाप्त हो जाता है।

(ii) संवेदी स्मृति में जो ज्ञानेंद्रिय द्वारा प्राप्त सूचनाएँ बिना किसी तरह के हेर-फेर किये ही उसी रूप में उन्हें संचित किया जाता है। परंतु लघुकालिक स्मृतियों में ऐसा नहीं होता है।

(iii) लघुकालिक स्मृति की अवधि अधिक से अधिक 20-30 सेकंड तक होता पाया गया है इस तथ्य की संपुष्टि कई अध्ययनों से हुई है जिसमें बाउन पेटरसन एवं पेटरसन द्वारा किए गए अध्ययन अधिक महत्वपूर्ण है।

Dr. Randhir Kumar
Dept of Psychology
V.R.C. Rosera Samastipur
9570435959

Scanned by TapScanner